ऊर्जा, रक्षा व अंतरिक्ष समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और सऊदी अरब

नई दिल्ली। भारत और सऊदी अरब ने 50 अरब डॉलर की वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से आगे बढ़ने पर सहमति जताई है। दोनों देश हरित ऊर्जा, रक्षा, सेमीकंडक्टर व अंतरिक्ष क्षेत्र में भी सहयोग और मजबूत करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी व सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद की मौजूदगी में भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली शीर्ष बैठक में इन पर सहमति बनी। सोमवार को बैठक में दोनों देशों में आठ समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए।

पीएम मोदी ने कहा, आज की बैठक से हमारे संबंधों को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। हमें मानवता की भलाई के लिए काम करते रहने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा समझौते के लिए भारत को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसे वास्तविकता में तब्दील करने के लिए सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों को कड़ी मेहनत के साथ काम करना होगा। विदेश मंत्रालय के सचिव औसाफ सईद ने बताया कि दोनों शीर्ष नेताओं ने वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी के प्रति पूर्ण समर्थन जताया। यह भारतीय कंपनियों और सऊदी कंपनी आरामको, एडीएनओसी के बीच त्रिपक्षीय सहयोग वाली परियोजना है। सुबह क्राउन प्रिंस का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक तौर पर स्वागत किया गया। राष्ट्रपति भवन में क्राउन प्रिंस का स्वागत पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। फिर, संयुक्त सैन्य बलों की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ब्यूरो

पीएम मोदी व प्रिंस मो. बिन सलमान की मौजूदगी में आठ समझौतों पर हस्ताक्षर

समझौते के दौरान पीएम व सऊदी प्रिंस मो. बिन सलमान। एजेंसी

इन क्षेत्रों में बनी सहमति

हरित ऊर्जा ■ डिजिटाइजेशन और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण (सेमीकंडक्टर) ■ भ्रष्टाचार निरोध ■ राष्ट्रीय आर्काइव ■ निवेश ■ एक्जिम बैंकों के बीच समझौता ■ भारत के सिडबी और सऊदी के एसएमई बैंक के बीच समझौता ■ विलवणीकरण